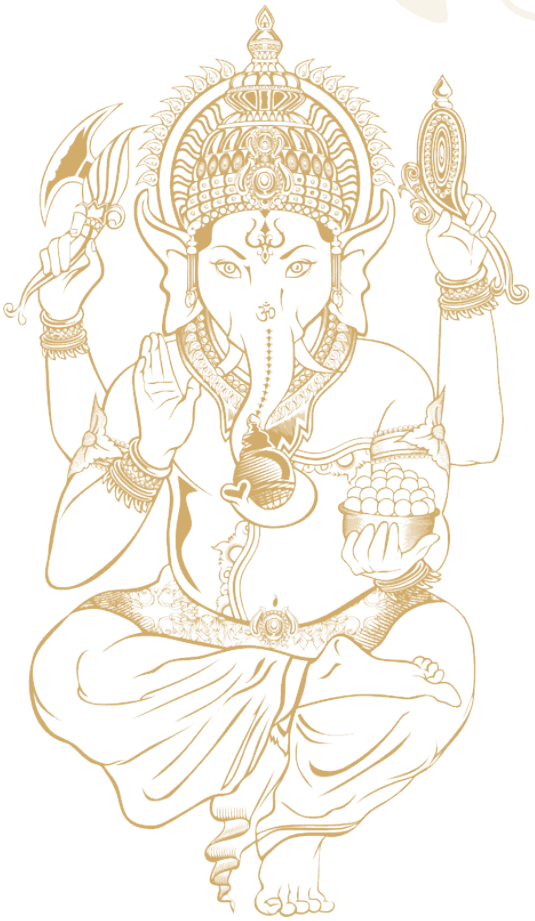

Dhiraj

27 Oct 1998

09:09 PM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 121383002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/10/1998**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:09:00 घंटे**
इष्ट	36:01:46 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:32:28 घंटे
वेलान्तर	00:16:07 घंटे
साम्पातिक काल	22:55:39 घंटे
सूर्योदय	06:44:17 घंटे
सूर्यास्त	17:56:24 घंटे
दिनमान	11:12:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	10:10:42 तुला
लग्न के अंश	03:37:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	धृति
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	03:37:17	334:53:33	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			तुला	10:10:42	00:59:53	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			मक	00:16:07	12:40:52	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल			सिंह	18:19:33	00:35:44	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			तुला	29:19:36	01:24:01	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	24:48:26	00:03:24	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	तुला	09:31:59	01:15:12	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	06:00:47	00:04:47	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	05:06:59	00:01:04	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	05:06:59	00:01:04	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:00:18	00:00:27	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:37:07	00:00:32	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:49:03	00:02:03	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			कुंभ	18:42:24	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:15

लग्न-चलित

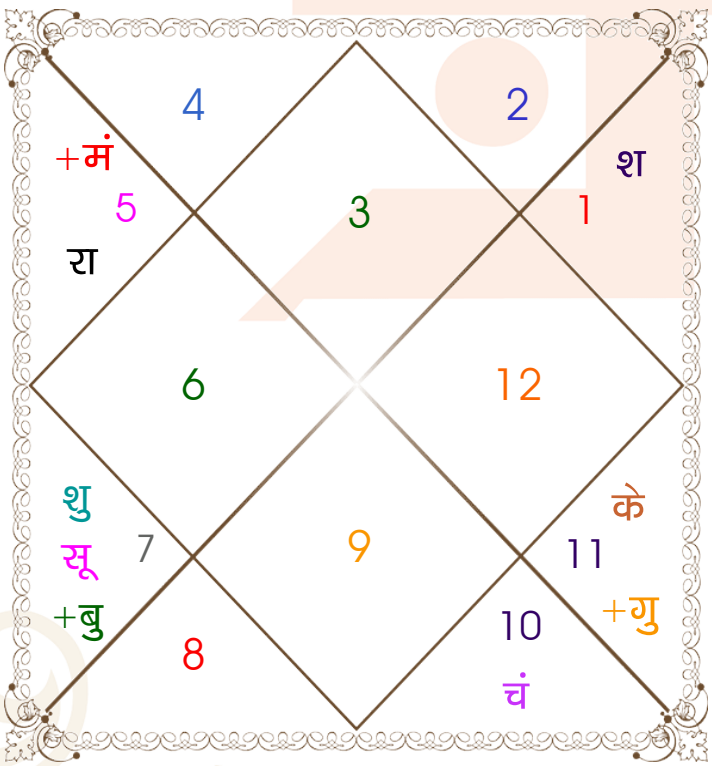

चन्द्र कुंडली

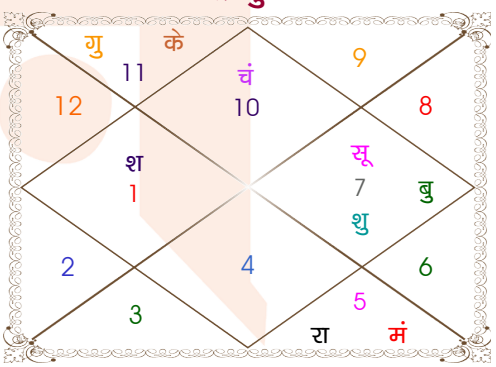

नवमांश कुंडली

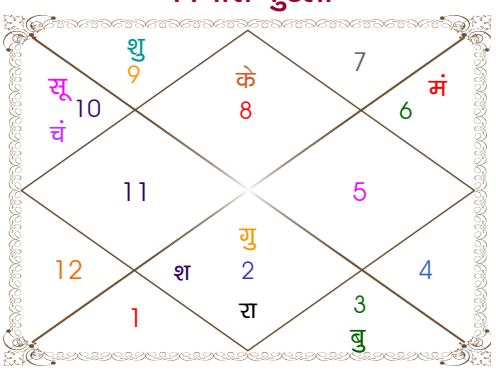

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 4 मास 16 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/10/1998		15/03/2003		14/03/2013		14/03/2020		15/03/2038	
15/03/2003		14/03/2013		14/03/2020		15/03/2038		15/03/2054	
	00/00/0000	चंद्र	13/01/2004	मंगल	10/08/2013	राहु	25/11/2022	गुरु	02/05/2040
	00/00/0000	मंगल	13/08/2004	राहु	29/08/2014	गुरु	20/04/2025	शनि	13/11/2042
	27/10/1998	राहु	12/02/2006	गुरु	05/08/2015	शनि	25/02/2028	बुध	18/02/2045
राहु	02/04/1999	गुरु	14/06/2007	शनि	13/09/2016	बुध	13/09/2030	केतु	25/01/2046
गुरु	19/01/2000	शनि	12/01/2009	बुध	10/09/2017	केतु	02/10/2031	शुक्र	25/09/2048
शनि	31/12/2000	बुध	14/06/2010	केतु	06/02/2018	शुक्र	01/10/2034	सूर्य	14/07/2049
बुध	07/11/2001	केतु	13/01/2011	शुक्र	08/04/2019	सूर्य	26/08/2035	चंद्र	13/11/2050
केतु	15/03/2002	शुक्र	13/09/2012	सूर्य	14/08/2019	चंद्र	24/02/2037	मंगल	20/10/2051
शुक्र	15/03/2003	सूर्य	14/03/2013	चंद्र	14/03/2020	मंगल	15/03/2038	राहु	15/03/2054

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/03/2054		14/03/2073		15/03/2090		14/03/2097		15/03/2117	
14/03/2073		15/03/2090		14/03/2097		15/03/2117		00/00/0000	
शनि	17/03/2057	बुध	11/08/2075	केतु	11/08/2090	शुक्र	15/07/2100	सूर्य	03/07/2117
बुध	26/11/2059	केतु	07/08/2076	शुक्र	11/10/2091	सूर्य	15/07/2101	चंद्र	02/01/2118
केतु	03/01/2061	शुक्र	08/06/2079	सूर्य	16/02/2092	चंद्र	16/03/2103	मंगल	09/05/2118
शुक्र	05/03/2064	सूर्य	14/04/2080	चंद्र	16/09/2092	मंगल	15/05/2104	राहु	28/10/2118
सूर्य	15/02/2065	चंद्र	13/09/2081	मंगल	12/02/2093	राहु	16/05/2107		00/00/0000
चंद्र	16/09/2066	मंगल	10/09/2082	राहु	02/03/2094	गुरु	14/01/2110		00/00/0000
मंगल	26/10/2067	राहु	30/03/2085	गुरु	06/02/2095	शनि	15/03/2113		00/00/0000
राहु	01/09/2070	गुरु	05/07/2087	शनि	17/03/2096	बुध	14/01/2116		00/00/0000
गुरु	14/03/2073	शनि	15/03/2090	बुध	14/03/2097	केतु	15/03/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 4 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।